



पूर्वोत्तर प्रभा

(सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित अर्धवार्षिक शोध पत्रिका)
Journal Home Page: <http://supp.cus.ac.in/>



संपादकीय

प्रिय पाठकों,

पिछले कुछ वर्षों में अकादमिक संस्थानों और व्यक्तिगत प्रयासों से पूर्वोत्तर भारत से पत्रिकाओं के प्रकाशन में वृद्धि हुई है। जो पूर्वोत्तर की भाषा-साहित्य एवं संस्कृति को पाठकों के समक्ष लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। पूर्वोत्तर प्रभा का संकल्प इस कड़ी में जुड़ा है। पूर्वोत्तर कई जनजातीय समुदायों का निवास स्थान है जिनकी अपनी भाषा एवं संस्कृति है, इसके बावजूद भी वर्तमान दौर की अनेक बाध्यताएं कई भाषा एवं संस्कृति को संकट की ओर ढकेल रही है। ऐसे में उनके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शोधार्थियों से जो संभव हो सकता है वो अपेक्षित है।

इस अंक में कुल दस आलेख हैं, अकादमिक दुनिया में यूजीसी केयर लिस्ट पत्रिकाओं का जैसे-जैसे महत्व बढ़ा है, वहां पत्र-पत्रिकाओं के लिए आलेख मिलना अब कठिन होता जा रहा है फिर “पूर्वोत्तर प्रभा” के पैर अभी गहरे जमीं में गड़े नहीं हैं! लेकिन पत्रिका से जुड़े लोग इसकी सुरक्षित भविष्य हेतु आशान्वित हैं।

आलेखों के विषय में विविधता है, प्राचीन से लेकर अधुनातन विषय सभी में आलेख है, अस्मितावादी विमर्श पर आलेखों की संख्या अधिक है, हाशिए के समाज को जानने की जिज्ञासा शोधार्थियों में खूब है, जो उनकी लोकतान्त्रिक विचारों में प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पिछले दिनों सिक्किम के नेपाली समुदायों को उच्चतम न्यायालय द्वारा विदेशी घोषित करने का मामला सामने आया है, जो सरासर गलत था और उस पर प्रतिक्रिया देते हुए सिक्किम की समस्त जनता बिना किसी भेद को माने एक मंच पर उठ खड़ी हुई। उच्चतम न्यायालय को विवश होकर अपने निर्णय में संशोधन करना पड़ा।

अंत में परिणाम सिक्किम की जनता के पक्ष में आया। हर समुदाय, संस्कृति, भाषा-भाषी लोग अपने अस्तित्व की लड़ाई को लिए चिंतित हैं। भूमंडलीकरण के इस दौर में उनकी यह चिंता वाजिब है इसके बावजूद भी अपनी सुरक्षा के साथ अपने संग चलते-बढ़ते अन्य समुदायों को उनके अधिकार प्राप्ति में सहयोग करना हमारा धर्म है। इसी सहयोग से ही एक समरस परिवेश का निर्माण संभव है।

यह पूर्वोत्तर प्रभा का वर्ष -2, अंक -2 आपके समक्ष प्रस्तुत है, किसी कार्य के गुणात्मक वृद्धि में प्रतिक्रियाओं की बड़ी भूमिका होती है उसकी आपसे उम्मीद की जाती है।

शुभकामनाओं के साथ !

डॉ. चुकी भूटिया